



ABHINAV RAJ



Ms.DIVYA RASHMI

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119950401

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
05/09/1989 :	जन्म तिथि	: 01/12/1993
मंगलवार :	दिन	: बुधवार
घंटे 11:40:00 :	जन्म समय	: 16:39:00 घंटे
घटी 15:27:53 :	जन्म समय(घटी)	: 26:14:44 घटी
India :	देश	: India
Jamshedpur :	स्थान	: Patna
22:47:00 उत्तर :	अक्षांश	: 25:37:00 उत्तर
86:12:00 पूर्व :	रेखांश	: 85:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:14:48 :	स्थानिक संस्कार	: 00:10:48 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:28:50 :	सूर्योदय	: 06:18:31
17:58:37 :	सूर्यास्त	: 16:57:55
23:42:56 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:46:34
वृश्चिक :	लग्न	: वृष
मंगल :	लग्न लग्नाधिपति	: शुक्र
तुला :	राशि	: मिथुन
शुक्र :	राशि-स्वामी	: बुध
स्वाति :	नक्षत्र	: आर्द्रा
राहु :	नक्षत्र स्वामी	: राहु
3 :	चरण	: 2
ब्रह्म :	योग	: शुभ
बालव :	करण	: वणिज
रो-रोहित :	जन्म नामाक्षर	: घ-घटी
कन्या :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: धनु
शूद्र :	वर्ण	: शूद्र
मानव :	वश्य	: मानव
महिष :	योनि	: श्वान
देव :	गण	: मनुष्य
अन्त्य :	नाड़ी	: आद्य
मृग :	वर्ग	: मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
राहु 8वर्ष 0मा 1दि
शनि

06/09/2013

06/09/2032

शनि	09/09/2016
बुध	20/05/2019
केतु	28/06/2020
शुक्र	28/08/2023
सूर्य	09/08/2024
चन्द्र	11/03/2026
मंगल	20/04/2027
राहु	23/02/2030
गुरु	06/09/2032

अंश

11:50:13
18:57:01
14:04:19
27:02:52
14:49:45
12:48:23
27:47:11
13:36:56
01:58:08
01:58:08
07:37:54
15:57:45
19:11:45

राशि

वृश्चि
सिंह
तुला
सिंह
कन्या
मिथु
कन्या
धनु व
कुंभ व
सिंह व
धनु व
धनु व
तुला

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि
राहु व
केतु व
हर्ष
नेप
प्लूटो

राशि

वृष
वृश्चि
मिथु
वृश्चि
तुला
तुला
वृश्चि
कुंभ
वृश्चि
वृष
धनु
धनु
वृश्चि

अंश

11:38:04
15:30:01
10:57:29
22:23:32
28:03:29
10:33:51
04:17:59
00:51:22
09:15:51
09:15:51
26:08:43
25:37:28
02:11:50

विंशोत्तरी
राहु 12वर्ष 2मा 14दि
शनि

15/02/2022

14/02/2041

शनि	17/02/2025
बुध	29/10/2027
केतु	06/12/2028
शुक्र	06/02/2032
सूर्य	18/01/2033
चन्द्र	19/08/2034
मंगल	28/09/2035
राहु	04/08/2038
गुरु	14/02/2041

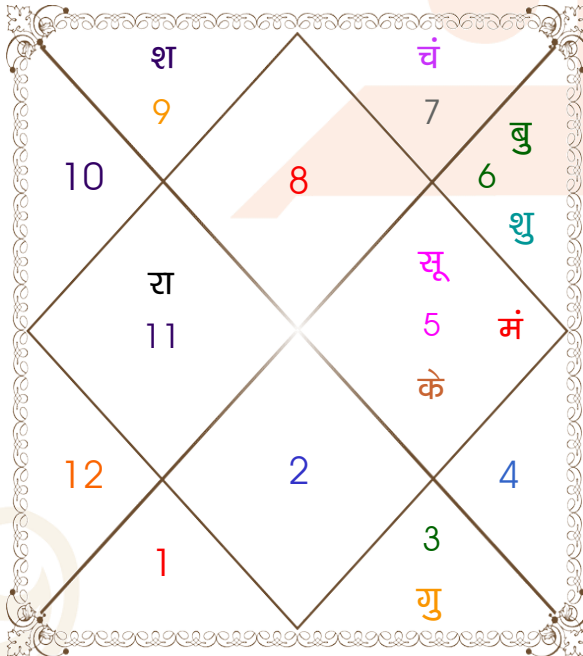
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

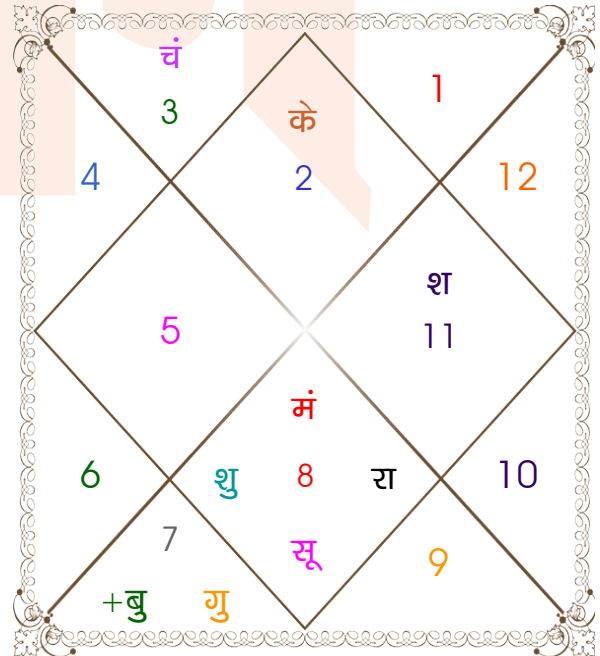
राहु : स्पष्ट

23:42:56 चित्रपक्षीय अयनांश 23:46:34

लग्न-चलित



लग्न-चलित



ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र

लाइन तलाव रांची झारखंड

9835195382

9835195382

अष्टकूट गुण सारिणी

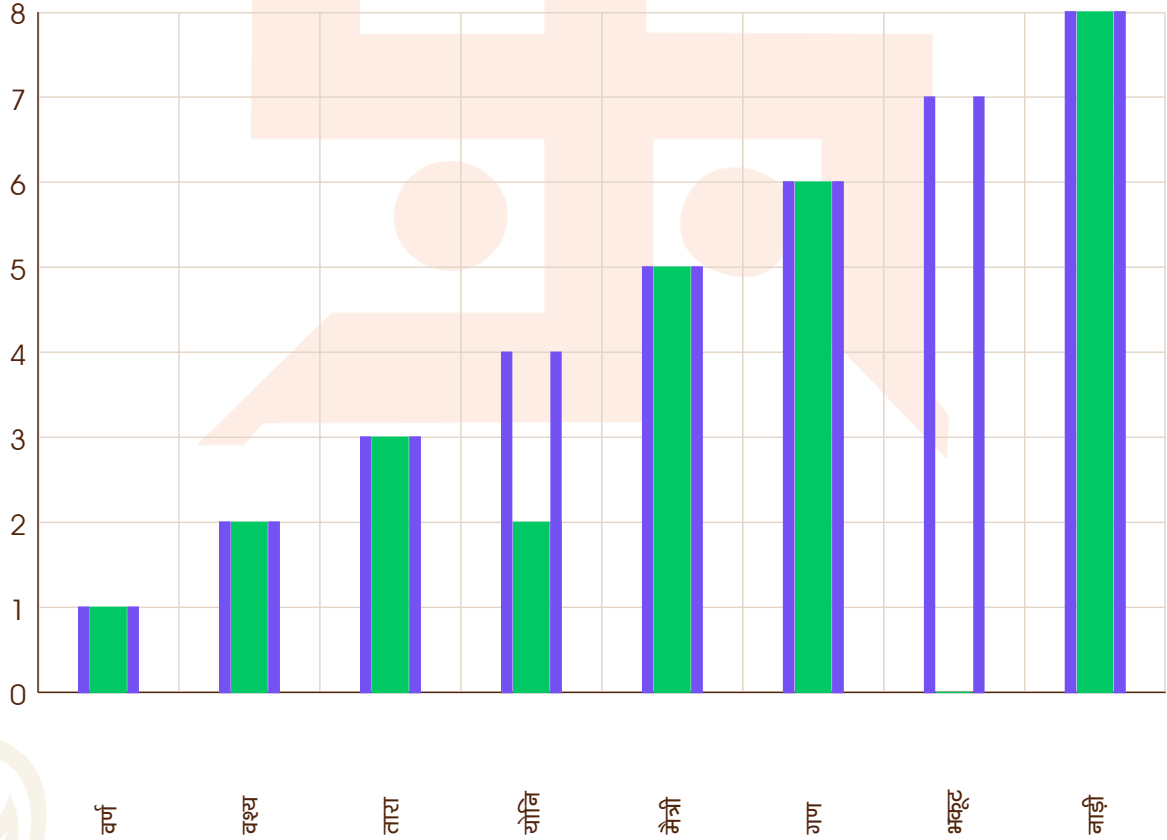
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

27.00

कुल : 27 / 36



ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र

लाइन तलाव रांची झारखंड

9835195382

9835195382

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ढभ्छ।ट त।श्र का वर्ग मृग है तथा डेण्क्पटल। तौभ्द। का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ढभ्छ।ट त।श्र और डेण्क्पटल। तौभ्द। का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ढभ्छ।ट त।श्र मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

डेण्क्पटल। तौभ्द। मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्;थ्दग्गंवूदक्मइ;०द्धत्र।द्धझ क्योंकि मंगल डेण्क्पटल। तौभ्द। कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डेण्क्पटल। तौभ्द। कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ढभ्छ।ट त।श्र तथा डेण्क्पटल। तौभ्द। में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

।ठभ्छ।ट त।श्र का वर्ण शूद्र है तथा डेण्क्पट्ल। तौभ्ङ्क का वर्ण भी शूद्र है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, व्यवहार, दृष्टिकोण, पसन्द-नापसन्द में समानता रहेगी। साथ ही दोनों में इतना प्रेम होगा कि लगेगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों। दोनों के बीच गहरा प्रेम, सद्भाव, साहचर्य एवं पारस्परिक समझ बनी रहेगी। दोनों घर की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए साथ मिलकर कार्य करते रहेंगे।

वश्य

।ठभ्छ।ट त।श्र का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं डेण्क्पट्ल। तौभ्ङ्क का वश्य भी द्विपद अर्थात् मनुष्य है अर्थात् दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। ।ठभ्छ।ट त।श्र एवं डेण्क्पट्ल। तौभ्ङ्क दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसन्द/नापसन्द तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

।ठभ्छ।ट त।श्र की तारा जन्म तथा डेण्क्पट्ल। तौभ्ङ्क की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

।ठभ्छ।ट त।श्र की योनि महिष है तथा डेण्क्पट्ल। तौभ्ङ्क की योनि श्वान है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ऽभ्छाट तश्र एवं डेण्क्टल तैभ्छ दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि ऽभ्छाट तश्र एवं डेण्क्टल तैभ्छ के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण ऽभ्छाट तश्र एवं डेण्क्टल तैभ्छ जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

ऽभ्छाट तश्र का गण देव तथा डेण्क्टल तैभ्छ का गण मनुष्य है। अर्थात् दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु डेण्क्टल तैभ्छ अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

ऽभ्छाट तश्र से डेण्क्टल तैभ्छ की राशि नवम भाव में स्थित है तथा डेण्क्टल तैभ्छ से ऽभ्छाट तश्र की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। ऽभ्छाट तश्र की प्रवृत्ति लौटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य

है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

।ठम्छ।ट त।श्र की नाड़ी अन्त्य है तथा डेण्क्प्टल्। तै।भ्दप् की नाड़ी आद्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। ।ठम्छ।ट त।श्र की अन्त्य नाड़ी तथा डेण्क्प्टल्। तै।भ्दप् की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।



मेलापक फलित

स्वभाव

।ठभ्छ।ट त।श्र की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा डेण्क्पटल। तौभ्ङ्क की राशि वायुतत्व युक्त मिथुन है। अतः इसके प्रभाव से ।ठभ्छ।ट त।श्र और डेण्क्पटल। तौभ्ङ्क के मध्य स्वभावगत समानताएं विद्यमान रहेंगी फलतः परस्पर संबंधों में मधुरता होगी एवं वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

।ठभ्छ।ट त।श्र की जन्म राशि का स्वामी शुक्र तथा डेण्क्पटल। तौभ्ङ्क की राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र राशियों में स्थित है सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति उत्तम मानी गई है। इसके प्रभाव से ।ठभ्छ।ट त।श्र और डेण्क्पटल। तौभ्ङ्क का परस्पर स्नेह सहयोग एवं समर्पण का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग प्रदान करने में तत्पर होंगे। वे एक सच्चे मित्र की तरह एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे इससे ।ठभ्छ।ट त।श्र और डेण्क्पटल। तौभ्ङ्क का दाम्पत्य जीवन सुख एवं शांति पूर्वक व्यतीत होगा।

।ठभ्छ।ट त।श्र और डेण्क्पटल। तौभ्ङ्क की राशियां परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ फलों में न्यूनता आएगी तथा यदा कदा परस्पर संबंधों में अनावश्यक वैमनस्य तथा विरोध का भाव भी परिलक्षित होगा। साथ ही परस्पर अहंकार की भावना की प्रबलता रहेगी जिससे सुखी वैवाहिक जीवन व्यतीत करने में परेशानी की अनुभूति करेंगे। यदि संयम एवं बुद्धिमता पूर्वक उपरोक्त भावों की उपेक्षा करें तो ।ठभ्छ।ट त।श्र और डेण्क्पटल। तौभ्ङ्क का वैवाहिक जीवन सुखमय हो सकता है।

।ठभ्छ।ट त।श्र और डेण्क्पटल। तौभ्ङ्क दोनों का वश्य मानव है। इसके प्रभाव से इनकी अभिरुचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी अनुकूलता रहेगी। अतः दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

।ठभ्छ।ट त।श्र और डेण्क्पटल। तौभ्ङ्क दोनों का वर्ण शूद्र है। अतः इनकी कार्य क्षमता में समानता रहेगी तथा अपने कार्यों को बिना किसी वरीयता के ईमानदारी एवं परिश्रम पूर्वक सम्पन्न करने में समर्थ रहेंगे। फलतः ।ठभ्छ।ट त।श्र और डेण्क्पटल। तौभ्ङ्क का कार्य क्षेत्र सुदृढ़ रहेगा।

धन

।ठभ्छ।ट त।श्र और डेण्क्पटल। तौभ्ङ्क का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे

लाभ मार्ग सामान्यतया प्रशस्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से ाढ्छात तश्र और डेण्क्टल तैभड् सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

ाढ्छात तश्र को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे। इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

ाढ्छात तश्र का जन्म अन्य तथा डेण्क्टल तैभड् का जन्म आद्य नाड़ी में हुआ है। अतः स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। परन्तु मंगल का दुष्प्रभाव ाढ्छात तश्र को समय समय पर न्यूनाधिक रूप से होता रहेगा। इसके प्रभाव से ाढ्छात तश्र हृदय संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं रक्त तथा पित संबंधी रोगों से भी पर कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही धातु या मूत्र रोग संबंधी परेशानी की भी संभावना होगी। अतः इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए ाढ्छात तश्र को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए। इससे उपरोक्त अशुभ प्रभावों में कमी होगी तथा शुभ प्रभावों की प्राप्ति करने में समर्थ रहेंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से ाढ्छात तश्र और डेण्क्टल तैभड् का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त ाढ्छात तश्र और डेण्क्टल तैभड् के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में डेण्क्टल तैभड् के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन डेण्क्टल तैभड् को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में डेण्क्टल तैभड् को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से ाढ्छात तश्र और डेण्क्टल तैभड् सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमत्ता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ाढ्छात तश्र और डेण्क्टल तैभड् का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डेण्क्पटल। तौभड के सास के साथ संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

ससुर से भी डेण्क्पटल। तौभड को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः डेण्क्पटल। तौभड को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ डेण्क्पटल। तौभड के संबंध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबंधों से डेण्क्पटल। तौभड सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

ससुराल-श्री

ढभ्छ।ट त।श्र के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को ढभ्छ।ट त।श्र अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी ढभ्छ।ट त।श्र के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण ढभ्छ।ट त।श्र के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।